**क्या है खालिस्तान की मांग? जिसकी आग में झुलस रहा भारत-कनाडा का 75 साल पुराना मजबूत रिश्ता**

**अब क्या हुआ है?**

* 10 लाख ka इनामी, टाइगर फोर्स (KTF) ka sargana खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून 2023 को कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई thi ।
* निज्जर कई वर्ष पहले भारत से भाग गया था। वह अवैध तरीके से कनाडा पहुंचा और किसी तरह कनाडाई नागरिकता ले ली।
* भारत ने निजर को 2020 में आतंकी घोषित किया था। उसे पंजाब में कई हिंसक घटनाओं का जिम्मेदार माना गया। इसकी सूचना कनाडा को दी गई, पर उसने कोई कदम नहीं उठाया।
* निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा की संसद मे प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो के एक बेजा बयान ने भारत कनाडा संबन्धों की दशा-दिशा बदलकर रख दी है।
* justin ट्रूडो ने भारत की ओर इशारा karte huye आरोप lagaya tha ki कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने ka sufficient reason है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की hai।
* कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ne age yah bhi कहा कि कनाडा की धरती par कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है।
* CANADA भारत के एक राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश भी दे दिया।

**भारत का कनाडा को करारा जवाब**

* इसके बाद भारत ने भी आक्रामक कूटनीतिक कार्रवाई karte hue CANADA के ek राजनयिक को देश छोड़ने ka farman jari kar diya.
* TRUDO KE आरोपों पर भारत के विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया। भारत ने कहा कि इस तरह के आरोप सिर्फ उन खालिस्तानी आतंकी और कट्टरपंथियों से ध्यान हटाने के लिए है जिन्हें लंबे समय से कनाडा में शरण दी जा रही है और जो भारत की क्षेत्रीय एकता और अखंडता के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं।
* BHARAT sarkar yahin nahi ruki, balki कनाडाई नागरिकों को वीजा देने पर, अस्थायी रूप से रोक लगाने के साथ sath यह bhi कहा कि कनाडा खालिस्तानी आतंकियों के लिए शरणगाह बन गया है,
* haqikat yeh hai ki खालिस्तान से जुड़ी भारत विरोधी गतिविधियों पर कनाडा ने बीते चार दशकों से कोई संज्ञान ही नहीं लिया।

**खालिस्तान का मतलब:\**

* **AIYE SABSE PAHLE DEKHTE HAI KI KHALISTAN KA MATLAB kya hota hai. Iski mang kyo aur kab se ki ja rahi. Isko lekar kya action huva ? kya impact huva.**
* **खालिस्तान का मतलब खालसा की सरजमीन होता है। यानी खालसा (सिखों ) का प्रदेश। स्पष्ट है कि खालिस्तान का अभिप्राय सिखों के लिए अलग देश की मांग से है।**
* इन लोगों की मांग है कि मौजूदा पंजाब राज्य और आसपास के हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को मिलाकर एक स्वतंत्र खालिस्तान देश बनाया जाय।
* कहा जाता है कि 1940 में सबसे पहले खालिस्तान शब्द का प्रयोग हुआ था। हालांकि, इससे भी पहले, साल 1929 में मोतीलाल नेहरू के पूर्ण स्वराज की मांग पर शिरोमणि अकाली दल के तारा सिंह ने सिखों के लिए अलग देश बनाने की मांग की थी।

**आजादी और देश विभाजन के बाद मांग ने पकड़ी रफ्तार**

* 1947 में आजादी मिलने के बाद भारत और पाकिस्तान दो देश बने। इसी के साथ पंजाब सूबे का BHI बंटवारा हुआ जिसका बड़ा भाग पाकिस्तान के पास चला गया और कुछ हिस्सा bharat ke पास बचा raha। बंटवारे के दौरान जान-माल का बहुत bada नुकसान हुआ। लाहौर, जो कभी सिख साम्राज्य की राजधानी था वो पाकिस्तान में चला गया। isko lekar  सिखों को सबसे ज्यादा तकलीफ हुई।
* सिख भारत और पाकिस्तान (दोनों) के पंजाब में बसते थे। विभाजन के कारण सिखों की पारंपरिक भूमि पाकिस्तान में चली गई, इससे उनमें गहरा असंतोष था।
* 1955 में सिख बहुल राजनीतिक दल अकाली दल ने भाषा के आधार पर राज्य के पुनर्गठन के लिए आंदोलन शुरू किया था।
* जब ये मांग बढ़ने लगी तो साल 1966 में इंदिरा गांधी ने भाषा के आधार पर पंजाब को तीन हिस्सों में बांटते हुए पंजाब, हरियाणा को राज्य और चंडीगढ़ को केंद्रशासित प्रदेश बना दिया।
* अकाली दल ने तब केंद्र सरकार से रक्षा, विदेश, संचार और मुद्रा छोड़कर सारे अधिकार पंजाब सरकार को देकर स्वायत्त करने की भी मांग रखी थी, जिसे इंदिरा ने नकार दिया था।
* 1970 के दशक में 'खालिस्तान' की मांग जोर पकड़ना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे ये मांग बढ़ने लगी और इसे खालिस्तान आंदोलन का नाम दिया गया।
* Aur isi bich is andolan me bhindrawle ki entry hoti hai. Jisane iski disha aur dasha ko badal kar rkh diya .

**भिंडरावाला की एंट्री और ऑपरेशन ब्लू स्टार**

* 1980 के दशक में एक बार फिर, खालिस्तान आंदोलन, जोर पकड़ne laga। उस वक्त दमदमी टकसाल का मुखिया जरनैल सिंह भिडरावाला ने is आंदोलन को aur jyada dhar dena shuru kar diya.
* Ab mamla Gambhir hota gaya. Serial murder, jaisi ghatnaye shuru ho gayi.
* इसी बीच , 1981 में पंजाब केसरी अखबार ke संपादक लाला जगत नारायण की हत्या कर दी गई।
* फिर  1983 में खालिस्तान समर्थकों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में पंजाब के डीआईजी एएस अटवाल की हत्या कर दी ।
* In घटनाo और पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था के मद्देनजर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने punjab राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा kar दिया।
* इससे नाराज अलगाववादियों का आंदोलन और उग्र हो गया। भिंडरावाले की अगुवाई में खालिस्तान समर्थकों ने भारी हथियारों को जमाकर स्वर्ण मंदिर में शरण ले ली।
* इन उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए जून 1984 ME केंद्र सरकार ने[व्यापक अभियान चलाया, JISE ऑपरेशन ब्लू स्टार](https://www.livehindustan.com/topic/operation-blue-star?utm_source=LHStory&utm_medium=Auto_Backlink_Topic" \t "_blank)Kaha jata hai. इसमें सेना के 83 जवानों और 492 नागरिकों की मौत हो गई थी।
* इस ऑपरेशन में भिंडरावाला मारा गया और स्वर्ण मंदिर को उग्रवादियों से मुक्त कर लिया गया, lekin इस ghatana se दुनिया भर में सिख समुदाय के लोग भावनात्मक रूप से अत्यधिक आहत हुए।
* कैप्टन अमरिंदर सिंह समेत कई सिख नेताओं ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। खुशवंत सिंह sarikhe कई लेखकों ने अपने-apne अवॉर्ड वापस कर दिए ।
* ऑपरेशन ब्लू स्टार ने दुनिया भर में इंदिरा गांधी को सिख विरोधी के तौर पर स्थापित कर दिया, jiski desh ko bhari kimat chukani padi, और sirf चार महीने बाद ही, 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की, उनके ही दो सुरक्षाकर्मियों ने goli marker हत्या कर दी । तलविंदर सिंह परमार इस घटनाक्रम के पीछे का मास्टरमाइंड बताया गया।
* Iske bad bhi Khalistan ki mang ko lekar andolan kiya jata raha. Jisko samapt karne ke liye army aur Police ko kai bar karyvayi karni padi.

**ऑपरेशन ब्लैक थंडर I**

* पहला ऑपरेशन ब्लैक थंडर 30 अप्रैल 1986 को हुआ था।
* लगभग 300 राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड कमांडो ने सीमा सुरक्षा बल के 700 सैनिकों के साथ सिखों के सबसे पवित्र मंदिर स्वर्ण मंदिर पर धावा बोल दिया और लगभग 200 सिख आतंकवादियों को पकड़ लिया।
* आठ घंटे तक चले इस ऑपरेशन को शिरोमणि अकाली दल पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री सुरजीत सिंह बरनाला ने मंजूरी दी थी।

**ऑपरेशन ब्लैक थंडर II**

* ऑपरेशन ब्लैक थंडर II 9 मई 1988 को अमृतसर में शुरू हुआ और 18 मई को आतंकवादियों के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ।
* इस ऑपरेशन की कमान पंजाब पुलिस के डीजीपी कंवर पाल सिंह गिल ने संभाली थी। लगभग 200 आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, इसमें 41 log मारे गए थे।

**कनाडा तक कैसे पहुंच गई खालिस्तान ki mang. की कहानी?**

* **Auar yeh आंदोलन** **विदेशी सरजमीं पर kaise falta foolta raha रहा .**
* भारत के बाद कनाडा ऐसा देश है जहां दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सिख आबादी रहती है।
* 1984 में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार और उससे पहले ऑपरेशन ब्लैक थंडर के बाद खालिस्तान आंदोलन को दबा दिया गया ,लेकिन जो सिख प्रवासी कनाडा, ब्रिटेन अमेरिका और आस्ट्रेलिया में थे, वे इसे ऐक्टिव बनाए रखने में सफल रहे। कनाडा में फिर से yeh आंदोलन जोर पकड़ने लगा है।
* कहा जाता है कि पाकिस्तान की आईएसआई ने मौके का फायदा उठाया और भारत से कनाडा गए अलगाववादियों के साथ मिलकर इसकी आग देश में भड़काई। financial aid provide karaya.
* आईएसआई ने पाकिस्तान में रह रहे अलगाववादी नेताओं को कनाडा में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया। is एजेन्सी ने कनाडा में पहले से रह रहे अलगाववादियों को आंदोलन के लिए वित्तीय सहायता भी जुटाई।

**आंदोलन की वर्तमान स्थिति क्या है?**

* वर्तमान समय में भारत में खालिस्तान आंदोलन मृतप्राय है। पंजाब की शहरी या स्थानीय आबादी में इसका प्रभाव नगण्य है लेकिन इस आंदोलन को कनाडा, ब्रिटेन या अमेरिका में रहने वाले सिखों से ईंधन और वैचारिक समर्थन मिलता रहा है।
* पाकिस्तान की आईएसआई भी खालिस्तान आंदोलन को फिर से उग्र करने के लिए धन और बल लगा रही है।
* कनाडा के कुछ शहरों (ब्रिटिश कोलंबिया और सरे) में यह आंदोलन तेज हो रहा है।
* वहां खालिस्तान समर्थक खुलेआम भारत को खंडित करने की चुनौती देते हैं। वे हिंसा में भी लिप्त रहे हैं और मंदिरों को भी निशाना बनाते रहे हैं। वे भारतीय राजनयिकों को खुलेआम धमका चुके हैं।
* लोगों की जान पर बन आए खतरे से निपटने के बजाय कनाडा इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर स्वीकार करता रहा।
* खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई न कर कनाडा उलटे निज्जर हत्याकांड जांच में भारत से सहयोग चाहता है।
* खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देने वाले कनाडा का रवैया कोई नया नहीं है।
* उसके इसी रवैये के चलते खालिस्तानी आतंकियों ने 1985 में एअर इंडिया के कनिष्क विमान को बम विस्फोट से उड़ा दिया था। इस घटना में 329 लोगों की जान गई थी।